डॉ बीएस चवन की स्मृति में लीडरशिप इन सायकेट्री पुस्तक का विमोचन

चंडीगढ़। राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान (ग्रिड), सेक्टर 31 एवं स्वैच्छिक संस्थान परिवर्तन के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय बी. एस. चवन की स्मृति में डॉ बी एस चवन मेमोरियल प्रोग्राम एवं ग्रिड का द्वितीय वार्षिक शोध दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, सेक्टर 32 के डायरेक्टर प्रिंसिपल सह राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान के निदेशक जसविंदर कौर ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए ग्रिड और परिवर्तन को बधाई दी। उन्होंन डॉ बी एस चवन के जीवन वृतांत एवं उपलब्धियों की चर्चा करते हुए बताया कि डॉ चवन की सोच इनोवेटिव थी, बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों के लिए वोकेशनल रिहैबिलिटेशन एवं रोजगार के उद्देश्य से संचालित उम्मीद परियोजना की शुरुआत के लिए उन्हें दो बार राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ प्रीति अरूण ने ग्रिड स्कूल, कॉलेज और क्लीनिक के द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि डॉ चवन ने ग्रिड को डिसेबिलिटी स्टडीज संबंधित यूनिवर्सिटी बनाने की परिकल्पना की थी।

डॉ बीएस चवन की पहचान एक कुशल शोधकर्ता, शिक्षाविद, दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन को उन्नत बनाने वाले एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में उनके द्वारा दिए गए अनुकरणीय योगदान के रूप में है। डॉ चवन राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान, चंडीगढ़ के फाउंडर डायरेक्टर; मनोचिकित्सा विभाग, जीएमसीएच 32 के फाउंडर प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष; मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के फाउंडर डायरेक्टर और बाद में राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान के डायरेक्टर, साथ ही जीएमसीएच 32 के डायरेक्टर प्रिंसिपल थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में ग्रिड विशेष विद्यालय एवं कॉलेज के बच्चों एवं एकेडमिक स्टाफ के द्वारा एक अत्यंत मनमोहक सरस्वती वंदना की प्रस्तुति की गई।

इस अवसर पर डॉ बीएस चवन के सम्मान में निम्हांस, बैंगलोर के भूतपूर्व प्रोफे. डॉ आर श्रीनिवास मूर्ति द्वारा संपादित निबंध पुस्तक "लीडरशिप इन सायकेट्री 1947 - 2022" का विमोचन किया गया एवं इसे डॉ बीएस चवन की पत्नी डॉ कविता चवन को भेंट की गई।

स्वैच्छिक संस्थान परिवर्तन ने डॉ बी एस चवन की जयंती (25 मार्च) पर भारत में मनोचिकित्सा के क्षेत्र में मौलिक कार्य करने वालों के लिए हर साल डॉ बीएस चवन मेमोरियल अवॉर्ड की शुरुआत की। यह सम्मान वर्ष 2022 के लिए सिजोफ्रेनिया रिसर्च फाउंडेशन (एस सी ए आर एफ) को दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ आर निवास मूर्ति के द्वारा "एन इंटरएक्टिव प्रोग्राम ऑन इमोशनल हेल्थ ऑफ केरगिवर्स : ए प्रायोरिटी" एवं श्री जितेंद्र सोलंकी के द्वारा "गंभीर मानसिक रुग्णता एवं बौद्धिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए वित्तीय योजना" विषयों पर वार्ता की गई।

मुख्य अतिथि जीएमसीएच 32 के डायरेक्टर प्रिंसिपल सह संस्थान के निदेशक डॉ जसविंदर कौर को गुलदस्ता और पौधे भेंट कर स्वागत करते हुए संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ प्रीति अरुण ।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी.

डॉ बीएस चवन के साथ किए गए कार्यानुभव को शेयर करते हुए डॉ श्रीनिवास मूर्ति।

"लीडरशिप इन सायकेट्री" पुस्तक का विमोचन एवं उसे डॉ कविता चवन को भेंट करते हुए डॉ शकुंतला (व्हीलचेयर में)

शिजोफ्रेनिया रिसर्च फाऊंडेशन, चेन्नई के निदेशक डॉ पद्मावती, डॉ बीएस चवन मेमोरियल अवार्ड प्राप्त करते हुए।.

तस्वीरों में (ऊपर से) मुख्य अतिथि अपने विचार साझा करते हुए एवं संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ प्रीति अरुण कृतज्ञता का प्रतीक और विशेष विद्यालय के बच्चों के द्वारा निर्मित गिफ्ट हैंपर भेंट करते हुए।

संस्थान की समीक्षात्मक विवरण प्रस्तुत करते हुए डॉ प्रीति अरुण

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ शिखा त्यागी

श्री जितेंद्र सोलंकी अपनी वार्ता प्रस्तुत करते हुए

श्री जितेंद्र सोलंकी अपनी वार्ता प्रस्तुत करते हुए

संवाद सत्र के दौरान डॉ वाणी रत्नम

तस्वीरों में : श्री जितेंद्र सोलंकी के साथ संवाद सत्र के दौरान श्रीमती पूजा घई (बाएं) और डॉ हेमंत कुमार चंद्रचूड़ (दाएं)